प्रारुप–11

परियोजना का नाम– मा0 मुख्यमंत्री घोषणा सं0 394/2013 के अन्तर्गत जनपद उत्तरकाशी के विकास खण्ड मोरी में रूपिन नदी पर धौला नामक स्थान में 42 मीटर स्पान का लौह मोटर सेतु का निर्माण।

(प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा प्रस्तावित कार्य हेतु वन भूमि की मांग का पूर्ण औचित्य दर्शाते हुए विस्तृत आख्या प्रस्ताव के साथ संलग्न की जानी है।)

विस्तृत आख्या

उपरोक्त मोटर सेतु की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति शासनादेश सं0 6969/III(2)/13– 38 (प्रा0आ0)/2013 दिनांक 14 दिसम्बर 2013 द्वारा रू0 3.36 लाख की प्राप्त है। यह मोटर सेतु धौला नामक स्थान पर निर्मित किया जाना है। इस सेतु के निर्माण से नैटवाड़ सेवा मोटर मार्ग से धौला वरी मोटर मार्ग को जोड़ा जा सकेगा।

उक्त मोटर सेतु रूपिन नदी पर निर्मित किया जाना है, सेतु से आगे मोटर मार्ग गोविन्द वन्य जीव विहार द्वारा निर्मित किया जा रहा है। यह क्षेत्र अन्यन्त पिछड़ा हुआ क्षेत्र है मोटर मार्ग निर्माण से इस क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों को मूलभूत सुविधायें जैसे चिकित्सा, खाद्यआपूर्ति प्रदान की जा सकेगी। इस क्षेत्र में सेब एवं आलू जैसी नगदी फसलों का उत्पादन प्रचुर मात्रा में किया जाता है, मोटर मार्ग एवं सेतु न होने से ग्रामीणों को खच्चरों द्वारा अपनी नगदी फसलों का ढुलान करना पड़ता है जिससे ग्रामीणों को नगदी फसलों का पूर्ण लाभ प्राप्त नहीं हो पाता है। सेतु निर्माण से धौला वरी मोटर मार्ग नैटवाड़ सेवा मोटर मार्ग से जुड़ जायेगा जिससे ग्रामीण अपनी नगदी फसलों को कम ढुलान दरों पर स्थानीय मण्डियों तक पहुँचा सकेंगे। इससे क्षेत्रवासियों का आर्थिक विकास सुनिश्चित होगा। यह क्षेत्र हिमांचल प्रदेश की सीमा से लगा हुआ होने के कारण इस सेतु का उपयोग हिमांचल प्रदेश के ग्रामीणों द्वारा भी किया जा सकेगा।

मोटर सेतु निर्माण हेतु 0.224 है0 आरक्षित एवं सिविल सोयम वनभूमि की आवश्यकता होगी जिसका हस्तान्तरण प्रस्ताव गठित किया गया है।

उप निदेशक
गोविन्द वन्यजीव विहार/राष्ट्रीय पार्क
पुरोला (उत्तरकाशी)

(सी0पी0 सिंह)
अधिशासी अभियंता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पुरोला

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो.नि.वि.
पुरोला (उत्तरकाशी)

Scanned with CamScanner